भारत सरकार **लोक सभा**
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं. 2567**
वाणिज्य विभाग

दिनांक 04 अगस्त, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए
व्यापार समझौते

2567. थिरु दयानिधि मारन:

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री की स्पेन, बेल्जियम और फिनलैंड यात्रा के दौरान व्यापार, निवेश तथा प्रौद्योगिकी सहयोग को सुदृढ़ करने के संबंध में हुए विचार-विमर्श के प्रमुख परिणाम क्या रहे और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इस यात्रा के दौरान ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा, वस्त्र, इलेक्ट्रॉनिक्स और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में तमिलनाडु के लिए किसी निवेश प्रस्ताव या प्रौद्योगिकी साझेदारी को अंतिम रूप दिया गया है और यदि हां, तो लाभार्थी राज्य-वार और मद-वार उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल में तमिलनाडु के उद्योगों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और निर्यात निकायों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) वस्त्र, चमड़ा, ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग वस्तुओं और आईटी सेवाओं सहित तमिलनाडु के निर्यात उन्मुख क्षेत्रों को भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से लाभ सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ङ) क्या सरकार का तमिलनाडु के औद्योगिक संकुलों में यूरोपीय निवेश को आकर्षित करने के लिए एक समर्पित तंत्र का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क): श्री पीयूष गोयल, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, नवाचार और सततता पर ध्यान केंद्रित करते हुए यूरोप के साथ आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से दिनांक 13-17 जुलाई, 2026 को स्पेन, बेल्जियम और फिनलैंड का दौरा किया। इस दौरे के दौरान, तीनों देशों की सरकारों और उनके उद्योग प्रतिनिधियों के साथ कई क्षेत्रों पर सहयोग बढ़ाने के लिए बातचीत की गई जिसमे व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, नवाचार, लचीली आपूर्ति श्रृंखलाएं, भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते से उत्पन्न अवसरों का लाभ उठाना और भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को लागू करना शामिल था। माननीय मंत्री जी ने तीसरे भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद (टीटीसी)की मंत्रिस्तरीय बैठक की सह-अध्यक्षता भी की। फिनलैंड दौरे के दौरान, दो समझौता ज्ञापनों (एमओयू)पर अर्थात : वाणिज्यिक सहयोग के लिए कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) और बिज़नेस फ़िनलैंड के बीच और गहन व्यावसायिक सहयोग को बढ़ावा देने और औद्योगिक

सहभागिता को मजबूत करने के लिए कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) और कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ फ़िनिश इंडस्ट्रीज़ (ईके) के बीच हस्ताक्षर किए गए ।

(ख): इस यात्रा के दौरान, स्पेन, बेल्जियम और फिनलैंड की सरकारों और उनके उद्योग प्रतिनिधियों के साथ ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा, वस्त्र, इलेक्ट्रॉनिक्स, विनिर्माण, खाद्य प्रसंस्करण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल प्रौद्योगिकियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश और प्रौद्योगिकी सहयोग के अवसरों पर चर्चा की गई। इन बैठकों का उद्देश्य पूरे भारत में अधिक से अधिक निवेश और प्रौद्योगिकी साझेदारी को बढ़ावा देना था।

(ग): जी हां, स्पेन, बेल्जियम और फ़िनलैंड दौरे के दौरान वाणिज्य और उद्योग मंत्री के साथ तमिलनाडु के उद्योगों के प्रतिनिधि भी इन व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों का हिस्सा थे। इन व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों में देश भर के भारतीय उद्योग जगत के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल थे। तमिलनाडु के प्रतिनिधियों में इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण, स्वास्थ्य परिचर्या, फुटवेयर, निर्माण कार्य, ई-कचरा पुनर्चक्रण, डिजाइन और शिक्षा जैसे क्षेत्र शामिल थे।

(घ): भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) से तमिलनाडु राज्य सहित विभिन्न राज्यों को वस्त्र एवं परिधान, चमड़ा एवं फुटवेयर, इंजीनियरिंग वस्तुओं और ऑटोमोबाइल जैसे प्रमुख क्षेत्रों में लाभ प्राप्त होने की उम्मीद है। यह लाभ यूरोपीय संघ की 97% टैरिफ लाइनों पर अधिमान्य बाजार पहुंच के माध्यम से प्राप्त होगा, जो भारत के निर्यात मूल्य के 99% से अधिक को कवर करता है। बेहतर टैरिफ पहुंच से भारत के निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि होने, मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिलने और यूरोपीय संघ की मूल्य श्रृंखलाओं में एकीकरण के अवसर मिलने की प्रत्याशा है जिससे विशेषत: श्रम-गहन और एमएसएमई क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण और रोजगार मजबूत होंगे । सेवाओं के क्षेत्र में, भारत ने प्रमुख उप-सेवाओं जैसे आईटी/आईटीईएस, पेशेवर सेवाएं, शिक्षा और अन्य व्यावसायिक सेवाओं में प्रतिबद्धताएं हासिल की हैं। भारतीय सेवा प्रदाताओं को यूरोपीय संघ के बाजार में एक स्थिर और पूर्वानुमानित व्यवस्था और पेशेवरों के लिए सुगम मोबिलिटी संबंधी प्रतिबद्धताओं से लाभ होने की प्रत्याशा है, जिससे भारत के सेवा निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

(ड.): भारत-ईयू एफटीए यूरोपीय कंपनियों को पूर्वानुमानित बाजार पहुंच प्रदान करता है। नियामक सहयोग और नीतिगत निश्चितता के साथ संवर्धित और पूर्वानुमानित बाजार पहुंच से भारत और यूरोप के बीच एकीकृत और विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखलाओं के विकास के सक्षम बनने की प्रत्याशा है, इससे विनिर्माण और सेवा मूल्य श्रृंखलाओं में दीर्घकालिक निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा।

******